

AAE -1 (H)

सहायक लेखा अधिकारी (सिविल) परीक्षा

नवम्बर, 2010

सार लेखन और मसौदा

समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

टिप्पणियां :

- (1) सार और प्रारूप तैयार करने से संबंधित प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन करते समय परीक्षार्थी द्वारा उन्हें समझने और सरल शब्दों का प्रयोग करते हुए उसे छोटे वाक्यों में व्यक्त करने की योग्यता का मूल्यांकन किया जाएगा। उससे यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह गद्यांश को चयनित रूप में दोहरा दे।
- (2) इस प्रश्न पत्र में 7 प्रश्न और 4 पृष्ठ हैं।
- (3) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश का सार तैयार कीजिए और उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए।

(25 अंक)

1990 के दशक से शुरु हुए सुधारों के परिणामस्वरूप भारत के वित्तीय क्षेत्र में संस्थाओं, बाजारों और अवसंरचना के संदर्भ में विस्तार हुआ है और उसने अधिक गहनता और सुदृढ़ता प्राप्त कर ली है। वैश्विक वित्तीय बाजारों में वर्तमान हलचल को देखते हुए आर्थिक प्रवृत्तियों के समग्र आकलन और भारत के लिए उभरते संबंधित मुद्दे जो कई अधोगामी जोखिमों को देखते हुए सौम्य और अवसरवादी दृष्टिकोण से युक्त थे बदलकर अपेक्षाकृत, सावधानीपूर्ण और सुरक्षित हो गए हैं। तथापि, समग्र आकलन यथावत बना हुआ है। ऋण और बाजार जोखिमों के दबाव परीक्षण के परिणाम सहित वित्तीय मजबूती के संकेतक यह बताते हैं बैंक स्वस्थ और मजबूत हैं। बैंकिंग प्रणाली के नकदी अनुपात के विश्लेषण ने, तथापि, कुछ चिंताएं दर्शाई हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

भारत के वित्तीय बाजारों ने समय बीतने के साथ गहनता, चल निधि और लचीलापन प्राप्त किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था का निष्पादन गत दो दशकों से प्रभावी रहा है, जनसंख्या वृद्धि में गिरावट सहित उच्च वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि

हुई है और बढ़ती घरेलू बचत, निवेश और उत्पादकता की अनुकूल प्रवृत्ति देखने को मिली है। वर्ष 2003-04 से बैंक ऋण में भी काफी वृद्धि हुई है। पण्य विशेषज्ञों का आधार, उद्देश्यों और संयोजनों के संदर्भ में अधिक व्यापक हुआ है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते एकीकरण को दर्शाता है। बढ़ते व्यापार घाटे के बावजूद, चालू खाता घाटा मध्यम दर्जे का रहा है जो कि अधिकांशतः निजी स्थानांतरणों और सेवा क्षेत्र के निर्यात के उच्चस्तर के कारण है। भारतीय कारपोरेट क्षेत्र में निम्न ऋण इक्विटी अनुपात उच्चतर आंतरिक प्रोद्भवन और अपने राजस्व और लाभप्रदता की अधिकता की ओर इशारा करता है। तथापि, हाल ही में सूचीबद्ध फर्मों के मूल्यांकन और साथ ही उनकी लाभप्रदता में भारी सुधार देखा गया है जैसा कि वैश्विक रूप से हुआ है। उस सीमा तक, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय कारपोरेट क्षेत्र में गिरते ऋण इक्विटी अनुपात में कुछ विपरीत स्थिति आ सकती थी। जबकि, अनिश्चित वैश्विक बाजार स्थितियों के कारण निकट भविष्य में वृद्धि दरों में कुछ नरमी आएगी, यह महसूस किया जाता है कि जैसे ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में आर्थिक सामान्य स्थिति बहाल होगी, भारत मध्यावधि में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर की अपनी प्रवृत्ति पर लौटेगा। तथापि, यह कुछ क्रांतिक क्षेत्रों जैसे कि कृषि, अवसंरचना और राजकोषीय समेकन पर निर्भर करेगा जिन पर ध्यान दिया जा रहा है।

वैश्विक प्रवृत्तियों के अनुरूप, भारत में अवमूल्यन दरें वर्तमान दशक में अधिकांशतः निम्न रहीं। यद्यपि, 2008 के शुरु में तेजी आई थी, हाल के महीनों में विशेष रूप से ऊर्जा और चीजों की कीमतों में गिरावट आने के कारण कीमतें तेजी से गिरी हैं। अंतर्राष्ट्रीय तेल मूल्यों का प्रभाव घरेलू तेल मूल्यों पर आंशिक रहा जिसका कारण तेल के क्षेत्र में मूल्य नीति की व्यवस्था मौजूद होना है। भारत तेल का भारी मात्रा में आयात करता है और जब तेल के मूल्य अधिक होते हैं तब उसकी आर्थिक स्थिति पर व्यापक प्रभाव पड़ता है, अतः तेल उत्पादों के अधिक प्रभावी उपयोग की आवश्यकता है। घरेलू और वैश्विक दोनों रूप में चिन्ता की अन्य प्रमुख बात है कि खाद्य सामग्री के मूल्यों में वृद्धि हो रही है। फिर भी, वैश्विक मूल्यों में हाल में हुए सुधार और सरकार द्वारा आपूर्ति की दिशा में पहले ही किए गए बहुत से उपायों ने परिणाम देने शुरु कर दिए हैं। बेहतर ऋण सुपुर्दगी, सिंचाई और ग्रामीण अवसंरचना में निवेश, फसल उगाने एवं खेती करने की बेहतर पद्धतियां अपनाकर और खाद्य संसाधन उद्योग का विकास करके समस्त वितरण प्रणाली में शीतागारों की ऋंखला बनाकर अगले और पिछले सम्पर्कों में सुधार किए जाने की आवश्यकता है।

2. उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (प्रत्येक उत्तर लगभग 50 शब्दों में हो)
- (क) "बैंकिंग क्षेत्र स्वस्थ और सुदृढ़ होने का संकेत दे रहा है।" टिप्पणी कीजिए।
(5 अंक)
- (ख) तेल के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों ने भारत को किस प्रकार प्रभावित किया है।
(5 अंक)
- (ग) कृषि में अगले और पिछले सम्पर्कों में किस प्रकार सुधार किया जा सकता है।
(5 अंक)
3. मुद्रा स्फीति को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव की ओर से राज्य सचिवों को लिखे जाने वाले अर्ध शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।
(20 अंक)
4. "ग्रामीण भारत की पूर्ण अंतःशक्ति को प्रकट करने की लक्ष्य आधारित नीतियों के प्रति लाभ अर्जित करने की कारपोरेट भागीदारी स्वाभाविक रूप से निर्णायक है।" - इस पर टिप्पणी कीजिए (अधिक से अधिक 150 शब्दों में)
(25 अंक)
5. (क) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक-एक शब्द लिखें -
(2 अंक)
- (i) जो उपकार मानता है
(ii) जो कम खर्च करता हो
- (ख) निम्नलिखित के 3-3 पर्यायवाची लिखें -
(3 अंक)
- (i) कर
(ii) कनक
(iii) दल
6. निम्नलिखित मुहावरों का इस तरह वाक्यों में प्रयोग करें कि उनका अर्थ स्पष्ट हो -
(5 अंक)
- (i) अपनी खिचड़ी अलग पकाना
(ii) झक मारना
(iii) दाँत खट्टे करना

- (iv) गुदड़ी का लाल
(v) थूक कर चाटना

7. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों का उपयुक्त हिन्दी शब्द लिखें।

(5 अंक)

- (i) Public debt
(ii) Remittances
(iii) Public works
(iv) Inward claim
(v) Major Head
-

AAE – 1 (E)

ASSISTANT ACCOUNTS OFFICER (CIVIL) EXAMINATION

NOVEMBER, 2010

PRECIS AND DRAFT

Time Allowed : 3 Hours

Maximum Marks : 100

-
- Note : 1.** While evaluating the question on precis and drafting the candidates would be evaluated for their understanding and ability to express the same in short sentences using simple words. He would not be expected to reproduce the passage selectively.
2. This question paper contains 7 questions and 4 pages.
3. All the questions are **compulsory**.
-

1. Write a précis of the following passage and give a suitable title:

India's financial sector, in terms of institutions, markets and infrastructure, has expanded and acquired greater depth and vibrancy as a result of ongoing reforms initiated in early 1990's. In view of the current turmoil in global financial markets, the overall assessment of economic trends and the related issues arising for India have undergone a shift from a benign and optimistic outlook to a relatively more cautious and guarded one in the face of many downside risks. However, the overall assessments remain intact. Indicators of financial soundness, including the result of stress test of credit and market risks, suggest that the banks are healthy and robust. The liquidity ratio analysis of the banking system has, however, shown a few concerns that need to be addressed.

India's financial markets have gained depth, liquidity and resilience over time. The performance of the Indian Economy has been impressive over the

past two decades, with high real GDP growth accompanied by decline in population growth and associated with consistent trends of increasing domestic savings, investment and productivity. Since 2003-04, there has also been significant bank credit growth. Merchandise exports have become increasingly broad based in terms of destinations and composition, reflecting India's growing integration into the global economy. Despite the widening trade deficit, the current account deficit has remained modest, due largely to high levels of private transfers and service sector exports. The low debt-to-equity ratio in the Indian corporate sector points to higher internal accrual and buoyancy in their revenues and profitability. Recent times have, however, seen sharp corrections in the valuation of listed firms as also in their profitability, as has happened globally. To that extent, there could be some reversal in the declining debt-to-equity ratio in the Indian Corporate sector in the current context. While there would be some moderation in rates of growth in the immediate future due to uncertain global market conditions, it is felt that India would return to its trend of eight per cent plus growth rate over the medium term as economic normalcy returns in the global economy. This would, however, depend upon certain critical areas, such as agriculture, infrastructure and fiscal consolidation being addressed.

In tune with global trends, inflation rates in India were low for most of current decade. Although there was a spurt in early 2008, there has been a sharp decline in recent months due to the cooling down of energy and commodity prices in particular. The pass through of international oil prices to domestic prices has been partial due to administered pricing policy in the oil sector. Given India's high exposure to oil imports, coupled with the widespread impact in times of higher oil prices on the economy a more efficient use of oil products is warranted. Another major concern, both domestically and globally, has been the rise in food prices. However, the recent correction in global prices, along with the series of measures already taken by Government on the supply side, have begun yielding results. There is a need to improve both the forward and backward linkages in agriculture through better credit delivery,

investment in irrigation and rural infrastructure, improved cropping patterns and farming techniques and development of food processing industry and cold storage chains across the entire distribution systems.

(25 marks)

2. Answer the following questions based on the passage above. (The answer should be in approximately 50 words each)

(a) "Banking Sector is showing a sign of health and robustness". Comment.

(5 marks)

(b) How have the international oil prices impacted India. (5 marks)

(c) How can the forward and backward linkages be improved in agriculture.

(5 marks)

3. Draft a DO letter from Secretary, Ministry of Finance, Government of India to State Secretaries on the measures to be taken by the State Governments to check inflation. (20 marks)

4. "Profit-making corporate involvement is inherently crucial to policies that aim at unlocking the full potential of rural India". Comment (in not more than 150 words). (25 marks)

5. Change the following sentences into indirect speech. (1 mark each)

(a) She said "Today's lesson is on presentation".

(b) As the stranger entered the town, he was met by a policeman who asked "Are you a traveller"?

(c) He said to him, "Is not your name Ahmed?"

(d) Clinton said to John, "Come with me".

(e) The stranger said to Alice, "Where do you live"?

6. Change the following from passive to active voice: (1 mark each)

- (a) The plate was handed to me.
- (b) I was introduced to Dr. Felix last year.
- (c) It was expected by Romans that they would conquer Carthage.
- (d) The mayor's speech was loudly cheered.
- (e) My pocket has been picked.

7. Complete these sentences with appropriate prepositions:

(1 mark each)

- (a) He rules _____ a vast empire.
- (b) Come away from _____.
- (c) It cannot last for _____.
- (d) The noise came from _____ the river.
- (e) _____ his ill health, he retired from business.
